

प्रेषक,

राधा स्तुडी

सचिव

उत्तरांचल शासन।

सेवा में

निदेशक,

समाज कल्याण, उत्तरांचल

हल्द्वानी नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-01

दहरादून, 29 मार्च 2006

**विषय :** स्वीकृत संस्था "डा. भीमराव अम्बेडकर समाजोत्थान समिति", देरीनाग, जनपद-पिथौरागढ़, उत्तरांचल द्वारा संचालित छार प्राइमरी पाठशालाओं को अनुदान की स्वीकृति।

महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपका पत्र-संख्या-2924, सं. उत्तरांचल शासन / 2006-01 दिनांक 06 फरवरी 2006 को और आयोजनोत्तर अनुसूचि संख्या 482/2006-158 (अन्यथा) दिनांक 06 फरवरी 2006 को प्राप्त हुए हैं। यह पत्र प्राप्त हो कि स्वीकृत संस्था "डा. भीमराव अम्बेडकर समाजोत्थान समिति", देरीनाग, जनपद-पिथौरागढ़, उत्तरांचल द्वारा आयोजित निम्नांकित छार प्राइमरी पाठशालाओं के आयोजन के कर्म-भत्ते हेतु छार, पिथौरागढ़ जिले में रुपये 7,32,832/- (रुपये सात लाख इत्तीस हजार आठ सौ इत्तीस मात्र) की राशि की निम्नांकित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय करने की या राज्यपाल महोदय सार्व स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- (1) प्राइमरी पाठशाला, देनाग।
- (2) प्राइमरी पाठशाला, खानागढ़।
- (3) प्राइमरी पाठशाला, बन्ना, देरीनाग।
- (4) प्राइमरी पाठशाला, बल्लारी।

1. उक्त स्वीकृत राशि का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।
2. स्वीकृत की जा रही राशि के अन्तर्गत व्यय का लेखांकन व्यवस्था किया जाएगा।
3. स्वीकृत की जा रही राशि पूर्व निर्धारित नियमों, शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय की जाएगी तथा व्यय के उपरोक्त प्रमाणपत्र साबित तथा गणितवाचक, उत्तरांचल को प्रेषित किया जायेगा सुनिश्चित किया जाएगा।
4. बालीस छात्रों पर एक अध्यापक की नियुक्ति की जाएगी तथा प्राइमरी पाठशाला में छात्रों की संख्या को 50 प्रतिशत मात्र अनुसूचित जनजाति के बच्चे होंगे। इसी को सुनिश्चित करने के लिए समाज कल्याण अधीक्षकों द्वारा अन्तर्गत की भूमिका निभाई जाएगी। तब ही कि छात्रों की अनुपात में ही अध्यापन का कर्म भुगतान होगा। यदि उक्त शर्तें सत्य पूरी नहीं होती हैं तो कर्म का भुगतान नहीं किया जाएगा और अन्तर्गत अन्तर्गत रूप में उक्त कर्म के भुगतान में शासन के आदेश प्राप्त करने होंगे।

21/3/06

5. उक्त अनुदान तदर्थ-आधार पर 1994-1995 लागू किया जा रहा है। उक्त विषयों के नियमावली तैयार कर अनुदान स्वोपलब्ध किया जायगा ताकि अनुदान का सुदोषपूर्ण हो सके।
6. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2005-06 के आय-व्यय की 'अनुदान संख्या-31' के 'आयोजनोत्तर पत्र' के संशोध्यक '2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण-02-अनुसूचित जनजातियों का कल्याण-277-शिक्षा-07-सहायता प्राप्त पुस्तकालयों/प्राथमिक एवं प्रारम्भिक पाठशालाओं हेतु अनुदान-08' के माध्यम से '20-सहायक अनुदान/अनुदान/सहायता' के नाम से दाता जाएगा।
7. यह आदेश वित्त विभाग की अधिसूचना संख्या- 1323 / XXVII(3) / 2006 दिनांक 23 मार्च 2006 में प्राप्त जिला सरकार से जारी किया जा रहा है।

भारीप

(सभा स्तुडी)  
सहित।

पृष्ठांक संख्या - 482(1)/XVII(1) 2006-150(कल्याण)/2006, संशोध्यक प्रतिनिधि, निम्नलिखित को सुनिश्चित एवं आदेशित किया जाता है कि-

1. निजी साहित्य-मानवीय कल्याण-उत्तरांचल।
2. निजी साहित्य-मृत्यु साहित्य उत्तरांचल शासन।
3. मण्डलाध्यक्ष, कुमाऊँ उत्तरांचल।
4. मंडलाध्यक्ष, उत्तरांचल सरकार।
5. निर्देशक, जलवायु एवं विल विकास उत्तरांचल सरकार।
6. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ उत्तरांचल।
7. कोषाध्यक्ष, इलाहाबाद जनपद-मंडलाध्यक्ष उत्तरांचल।
8. जिला समस्त कल्याण अधिकारी, पिथौरागढ़ उत्तरांचल।
9. वित्त (आय नियन्त्रण) अनुभाग-08 उत्तरांचल शासन।
10. वजेट, राजस्वमाय नियोजन व वित्त निदेशक, उत्तरांचल सचिवालय गोरख, उत्तरांचल।
11. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तरांचल सचिवालय पौल, उत्तरांचल।
12. प्रवक्ता, सौष्ठव संस्था 'आ. नमोराज आर्थिक व सामाजिक समिति' बरेली, जलवायु-पिथौरागढ़ उत्तरांचल।
13. आदेश पत्रिका।

आदेश में

21

(सुनिश्चित)

अथवा सचिव।